के वि वि आयोग
CERC

# सौदामिनी

जुलाई – सितम्बर, 2016 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–10

(प्रभात कुमार अवस्थी)
संयुक्त प्रमुख (वित्त)

## प्रस्तावना

अपने रोजमर्रा के कामकाज में हिन्दी का प्रचार–प्रसार हम सभी का संवैधानिक एवं नैतिक दायित्व है। इसीलिए राजभाषा हिन्दी में कामकाज का केवल शासकीय नहीं बल्कि राष्ट्रीय महत्व है। यह सचमुच अत्यन्त प्रसन्नता की बात है कि हमारे कार्यालय से प्रकाशित आंतरिक तिमाही गृहपत्रिका 'सौदामिनी' इस दिशा में प्रशंसनीय कार्य कर रही है। मेरा सदैव मानना रहा है कि इस पत्रिका के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अभिरूचियों को विकसित करने का अवसर मिलता है और वे अपनी अभिव्यक्ति कौशल के प्रदर्शन के लिए राजभाषा के प्रयोग के लिए प्रेरित भी होते हैं।

इस पत्रिका के प्रकाशन से हमें आयोग की समस्त गतिविधियों, कार्यक्रमों व उपलब्धियों की समुचित जानकारी भी प्राप्त हो रही है। सभी स्तर के स्टाफ सदस्यों द्वारा लेख, निबंध एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारी से हम लगातार लाभान्वित हो रहे हैं। हिन्दी कार्यशालाओं, कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रमों, चर्चा परिचर्चा, प्रभनोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त समय–समय पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से हिन्दी के प्रचार–प्रसार का कार्य सुचारू रूप से किया जा रहा है। इस पत्रिका के माध्यम से प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत विजेताओं की रचनाधर्मिता तथा वक्तृत्व–शैली का भी हमें परिचय प्राप्त हो रहा है। पत्रिका की सुरुचि–संपन्नता, गुणवत्ता एवं पठनीयता के लिए संपादक मंडल बधाई का पात्र है।

पत्रिका के इस नवीनतम अंक के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

## केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग के स्थापना दिवस की अठारहवीं वर्षगांठ – 24 जुलाई, 2016

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग ने स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अपनी अठारहवीं वर्षगांठ आयोजित की। स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर माननीय श्री बिबेक देबरॉय, सदस्य, नीति आयोग, भारत सरकार को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर सुश्री शुभा शर्मा, सचिव ने अपने स्वागत संबोधन में केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग की उपलब्धियों को रेखांकित किया। सर्वप्रथम माननीय अध्यक्ष, केविविआ ने अपने अभिभाषण में आमंत्रित अतिथि श्री बिबेक देबरॉय का स्वागत किया और यह भी स्पष्ट किया कि यद्यपि आयोग अर्द्धन्यायिक निकाय है तथापि यह सरकार की नीतियों व प्राथमिकताओं को पूर्ण मान्यता देता है और समुचित विनियामक प्रोत्साहन प्रदान करने में सरकार से सामंजस्य स्थापित करने का पूर्ण प्रयास करता है। अपना व्याख्यान आंरभ करते हुए श्री बिबेक देबरॉय ने केविविआ के समस्त स्टाफ सदस्यों को आयोग के 18 वर्ष पूरे होने पर बधाईयां और शुभकामनाएं दी। मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित श्री बिबेक देबरॉय ने अपने व्याख्यान में विकासकर्ताओं तथा उपभोक्ताओं के बीच समन्वय के लिए विनियामकों के महत्व को रेखांकित किया एवं अर्थव्यवस्था से संबंधित जटिल मुददों को दिलचस्प उदाहरण देकर सरलता से प्रस्तुत किया। उन्होंने राष्ट्र के विकास में राजनीति–सामाजिक–आर्थिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं के साथ–साथ उसके दार्शनिक पक्ष को भी विश्लेषित किया। इसके साथ ही उन्होंने शासन और सुशासन के सूक्ष्म भेद को स्पष्ट करते हुए अर्थव्यवस्था के विकास को व्यापक परिप्रेक्ष्य में व्याख्यायित किया। अपने सारगर्भित व्याख्यान के माध्यम से श्री देबरॉय ने समाज के विकास में विद्युत क्षेत्र की क्रांतिकारी भूमिका को रेखांकित करते हुए संबंधित विनियमों एवं विनियामकों की महत्वपूर्ण भूमिका को नए एवं अनछुए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने मौलिक एवं प्रखर विचारों से विकासोन्मुखता को शहर केन्द्रित करने के बजाय गांव केन्द्रित करने पर बल देते हुए विद्युत क्षेत्र की देश के सर्वतोमुखी विकास में उल्लेखनीय भूमिका का आहवान किया।

इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि द्वारा केविविआ कम्पेडियम का विमोचन भी किया गया।

केविविआ के माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा आमंत्रित अतिथि का स्वागत

के वि वि आयोग
CERC

# सौदामिनी

जुलाई – सितम्बर, 2016 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–10

## स्थापना दिवस समारोह की कुछ महत्वपूर्ण झलकियां

## राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक – 09.08.2016

आयोग के स्तर पर गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की सितम्बर, 2016 को समाप्त तिमाही बैठक दिनांक 09.08.2016 को आयोग के सचिव एवं अध्यक्ष रा.भा.का.स. सुश्री शुभा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा कक्ष द्वारा समय–समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ–साथ अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों के आयोजन की सराहना की गई। इस बैठक में सभी प्रभागों की पिछली तिमाही के दौरान हिंदी प्रगति की जानकारी प्राप्त की गई। विचार–विमर्श के दौरान मानक मसौदे के अधिकाधिक इस्तेमाल व धारा 3(3) के शतप्रतिशत अनुपालन पर विशेष बल दिया गया।

इस बैठक में सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन और हिंदी के प्रचार–प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सितम्बर माह के दौरान हिंदी पखवाड़े का आयोजन तथा विभागीय प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्यनिपादन करने के लिए सभी स्टाफ सदस्यों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। इसके साथ ही सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि अगली तिमाही राजभाषा के प्रचार–प्रसार के लिए हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाए।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक के दौरान विचार–विमर्श

के वि वि आयोग
CERC

# सौदामिनी

जुलाई – सितम्बर, 2016 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग खण्ड–I अंक–10

## केविविआ में हिंदी पखवाड़ा (01 सितम्बर – 14 सितम्बर, 2016) का आयोजन

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग में हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस पखवाड़े के दौरान चार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें श्रुतलेख प्रतियोगिता (दिनांक 01.09.2016), निबंध प्रतियोगिता (दिनांक 05.09.2016), वाद–विवाद प्रतियोगिता (दिनांक 08.09.2016) और गीतगायन प्रतियोगिता (दिनांक 12.09.2016) को आयोजित की गई।

इन समस्त प्रतियोगिताओं में कुल 43 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। श्रुतलेख में राजभाषा से संबंधित पैराग्राफ एवं आयोग में प्रचलित तकनीकी शब्दावली के हिंदी समानांतर शब्दों को लिखवाया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में पर्यावरण की चुनौतियां, हिन्दी अनेकता में एकता की प्रतीक है, सोशल मीडिया की भूमिका, ऊर्जा का महत्वः चुनौतियां और समाधान, नारी सशक्तिकरण एवं जीवन में योग का महत्व जैसे सामयिक विषयों को शामिल किया गया। वाद–विवाद प्रतियोगिता में ''व्यक्ति अपने भाग्य का निर्माता स्वयं होता है (पक्ष/विपक्ष)'' विषय पर विचार व्यक्त किए गए। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के तौर पर श्री अनिल वर्मा 'मीत' गज़ल–गीतकार एवं लेखक को आमंत्रित किया गया।

इसके साथ ही गीत–गायन प्रतियोगिता में सभी प्रकार के गीतों को स्वर–लय के आधार पर मूल्यांकित किया गया जिसमें निर्णायक के रूप में सुश्री सीमा भारती व्याख्याता दिल्ली विभवविद्यालय को भी आमंत्रित किया गया। 14 सितम्बर, 2016 को हिंदी दिवस के अवसर पर आयोग की सचिव महोदया के हस्ताक्षर से अपील जारी की गई। इस अपील में समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों से अपने संवैधानिक दायित्व को निर्वाह करते हुए अपना समस्त कामकाज हिंदी में करने पर बल दिया गया।

समस्त प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत विजेताओं को पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 28 सितम्बर, 2016 को आयोग के माननीय सदस्यगण एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शील्ड/प्रमाणपत्र एवं नगद राशि प्रदान की गई। इसके अलावा प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागियों को प्रशंसा पत्र भी प्रदान किए गए। मुख्य समारोह में गीतगायन प्रतियोगिता में पुरस्कृत विजेताओं ने अपने गीतों से स्टाफ सदस्यों को भाव–विभोर किया। पुरस्कार वितरण समारोह में समस्त स्टाफ सदस्यों ने हिस्सा लिया। पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन राजभाषा अधिकारी द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

आयोग में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

के वि वि आयोग
CERC

# सौदामिनी

जुलाई – सितम्बर, 2016 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–10

पुरस्कृत निबंध

## ऊर्जा का महत्व : चुनौतियां और समाधान

ऊर्जा का अर्थ है 'कार्य करने की शक्ति' अतः वह शक्ति जिसके प्रावधान से कार्य सिद्ध होते हैं। आज के इस तकनीकी तथा मशीनी युग में गति और कार्यकुशलता का एक प्रमुख स्थान है जोकि ऊर्जा को और भी महत्वपूर्ण बनाता है। पारम्परिक तौर पर प्रकृति में मौजूद सभी ऊर्जा संसाधनों का जन्मदाता सूर्य को ही माना जाता है परन्तु वैज्ञानिक तौर पर यदि ऊर्जा को आंका जाए तो मुख्यतः पारंपरिक तथा अपारंपरिक ऊर्जा संसाधन जैसे लकड़ी, कोयेला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस चिन्हित किए जा सकते हैं जोकि कई लाख वर्षों तक ज़मीन में होने वाली विशेष क्रियाओं के कारण उपलब्ध होते हैं। अपारंपरिक ऊर्जा संसाधन जैसे कि सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जैविक ऊर्जा, नाभिकीय ऊर्जा जैसे संसाधन प्रकृति में सदैव उपलब्ध है परन्तु इनका उपयोग सीमित है।

विश्व मे कई देश जैसे कि अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, जापान आदि अपने ऊर्जा संसाधनों के इजाफे तथा अपरंपरागत स्रोतों के उपयोग की ओर अग्रसर हैं क्योंकि वैज्ञानिकों के अनुसार यदि हमारा इन संसाधनों का उपयोग इसी गति से बढ़ता गया तो कुछ दशकों पश्चात हमारी अगली पीढ़ी के लिए ऊर्जा के स्रोत विलुप्त हो जाएंगें एक परिवेश होगा जोकि ऊर्जा संकट का रूप ले लेगा और जिसकी आहट अभी से महसूस की जा सकती है। संसार की बढ़ती हुई जनसंख्या, आार्थिक और औद्योगिक विकास की तीव्र गति और परिवहन व संचार साधनों में वृद्धि की आवश्यकता को देखते हुए ऊर्जा संकट और भी जटिल समस्या का रूप लेता जा रहा है। कुछ मुख्य चुनौतियां जोकि ऊर्जा के अनियोजित उपभोग के कारण खड़ी हो गई हैं जैसे लुप्त होते परंपरागत ऊर्जा संसाधन, बढ़ता प्रदूषण, अनियोजित उपभोग, ऊर्जा के वैकल्पिक संसाधनों का मुख्यधारा में कम उपयोग, ऊर्जा का अधिक मूल्य, वैकल्पिक संसाधनों का उपयोग करने की अधिक लागत तथा उपकरणों की अधिक खपत आदि।

दुनिया में बढ़ते कच्चे तेल के दामों का असर हर देश जो इस संसाधन से वंचित है, वह महसूस कर सकता है। बढ़ती कीमतों से भारत जैसा देश जो अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत आयात करता है, की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वैकल्पिक संसाधनों जैसे की सौर ऊर्जा कि पवन ऊर्जा, जैव ऊर्जा का अधिक उपयोग करने की आवश्यकता है। भारत एक भौगोलिक सुविधानजनक परिवेश में स्थित है जहां सौर तथा पवन ऊर्जा के उपयोग के अधिक अवसर हैं। भारत में एक किलोमीटर समतल भूमितल पर लगभग 5. 6 किलोवाट ऊर्जा गिरती है जो कि एक विशेष परिवेश है। अन्ततः ऊर्जा के इस संकट से सामना करने की शक्ति का संचय बहुत अनिवार्य है अर्थात् हमारा लक्ष्य है – ऊर्जा का विकास, वैभव का विकास।

(अंकित गुप्ता)
अनुसंधान सहायक, विनियामक मामले

**संरक्षक**
ए.के.सिंघल
सदस्य

www.cercind.gov.in

**संपादक मंडल**
शुभा शर्मा, सचिव
पी. राममूर्ति, सहायक सचिव
कमल किशोर, सहायक प्रमुख
आर.पी. सहगल, राजभाषा अधिकारी

कृपया इस पते पर अपनी प्रतिक्रिया भेजें :
**केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग**
भूतल, चन्द्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ,
नई दिल्ली–110001
**Email : info@cercind.gov.in**